

एमपी में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी

सिर्फ तलाक तलाक तलाक बोलने से अब नहीं होगा तलाक

भोपाल (एजेंसी)। जगदीशपुर में आयोजित मोहन कैबिनेट की मीटिंग में कई ऐतिहासिक और अहम फैसले हुए हैं। कैबिनेट ने यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है। मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। सीएम मोहन यादव ने बिल को मंजूरी देने के बाद इसकी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की है। उन्होंने कहा है कि किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों के लिए मध्य प्रदेश में सिर्फ एक ही शादी की इजाजत है।

लिव-इन रिलेशन के लिए एमपी में रजिस्ट्रेशन हुआ अनिवार्य



एमपी में यूसीसी की अहम बातें

एक ही शादी को मंजूरी- यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं- विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं- अब मौखिक तलाक और अनैपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा। गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार- अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है। शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य- एमपी के निवासियों के लिए शादी और तलाक दोनों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। शहरी क्षेत्रों में एमपी ई-नगर पालिका पोर्टल और ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम, नगरपालिका या पंचायत के जरिए यह प्रक्रिया पूरी होगी।

अनुसूचित जनजातियों को मिला संरक्षण

यूसीसी के कुछ कठोर नियमों से अनुसूचित जनजातियों को दूर रखा गया है। यह कानून संविधान के अनुच्छेद 342 और अनुच्छेद 366 (खंड 25) के तहत आने वाली अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा। इसमें भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहारिया और भारिया हैं।

उत्तराधिकार को लेकर एक समान नियम

वहीं, यूसीसी में बेटों और बेटियों को संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार दिए गए हैं। चाहे उनकी वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। वहीं, मृतक बच्चे की संपत्ति में उसके जीवनसाथी और बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी बराबर हिस्सा के अधिकारी होंगे।

लिव-इन के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए साथ रहने की शुरुआत के एक महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास लिव-इन रिलेशनशिप का बयान जमा करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। पार्टनर्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। वे प्रतिबंधित श्रेणी में न हों, पहले से विवाहित न हों और उनकी सहमति स्वतंत्र होनी चाहिए। यदि कोई पार्टनर 21 साल से कम उम्र का है, तो लिव-इन के शुरू होने और खत्म होने की जानकारी उनके माता-पिता-अभिभावकों को भेजी जाएगी। रजिस्ट्रार यह रिकॉर्ड स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी भेजेगा।

लिव-इन के बच्चे माने जाएंगे वैध

लिव-इन से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पूर्ण उत्तराधिकार मिलेगा। यदि पुरुष पार्टनर महिला को छोड़ देता है, तो वह सक्षम अदालत के माध्यम से कानूनी पत्नी की तरह ही भरण-पोषण का दावा कर सकती है। बिना रजिस्ट्रेशन एक महीने से ज्यादा साथ रहने पर 3 महीने तक की जेल या 10,000 जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर 3 महीने की जेल और 25,000 जुर्माना तथा रजिस्ट्रार के नोटिस के बाद भी बयान न देने पर 6 महीने तक की जेल और 25 हजार का जुर्माना हो सकता है।

कांग्रेस इसे हिंदू-मुस्लिम के चरम से देखती

सीएम मोहन यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता को लेकर हमने सभी राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे जिसमें आप पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी के जनप्रतिनिधि शामिल हुए लेकिन कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि नहीं आए। कांग्रेस पार्टी हिंदू, मुस्लिम को राजनीतिक चरम से देखती है। उन्हें एक देश, एक निशान, एक प्रधान पर हमेशा दुविधा रहती है। जब हमने सबके सुझाव मांगे तो 80 फीसदी मुस्लिम बहनों ने इसके पक्ष में अपनी अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने संकल्प लिया है कि ऐसा कानून लागू किया जाए।

इंदौर का उर्मिला सैनी हत्याकांड गंजबासौदा में मिला आरोपी पति का शव

धड़ से गायब था सिर, परिजनों ने की शिनाख्त

इंदौर। संयोगितागंज थाना क्षेत्र की डाककुंज कालोनी में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की चाकू से गोदकर हत्या करने वाले आरोपी पति अखिलेश सैनी की पुलिस लगातार तलाश कर रही थी लेकिन शनिवार-रविवार की दरमियानी रात उसका शव गंजबासौदा स्टेशन से करीब 3 तीन किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर मिला। शव से सिर से गायब था। उसके पास मिले दस्तावेज के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान अखिलेश सैनी के रूप में की और तत्काल गंजबासौदा पुलिस ने संयोगितागंज पुलिस से संपर्क किया। डीसीपी जोन 3 अभिषेक रंजन ने बताया कि 11 जुलाई को डाक कुंज कालोनी के शासकीय आवास में रहने वाली पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की उसके पति अखिलेश सैनी ने चाकू से वार कर हत्या कर दी थी। हत्याकांड को अंजाम उसने बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद दिया था और पत्नी को मारने के बाद वह बेटी से मिलने दोबारा उसके स्कूल गया था। इसके बाद वह पैदल फरार हो गया था। इतना ही नहीं पुलिस से बचने के लिए मोबाइल भी घर पर छोड़ गया था। सीसीटीवी कैमरे में जो रेलवे स्टेशन की तरफ जाता दिखा था इसके बाद वह फिर नजर नहीं आया। पिछले 8 दिनों से पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी।

- **घोषित था 20 हजार का इनाम** - उसकी गिरफ्तारी पर पहले दस हजार रूपए के इनाम की घोषणा की गई लेकिन जब वह हाथ नहीं आया तो शनिवार को इनाम की राशि बढ़कर 20 हजार कर दी गई उसकी पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। तभी गंजबासौदा पुलिस ने संयोगितागंज पुलिस से रविवार सुबह संपर्क किया।
- **दस्तावेजों से हुई शिनाख्त** - उन्होंने बताया कि गंजबासौदा स्टेशन और पर्वी के बीच रेलवे ट्रैक के पोल नंबर 925 पर एक शव पड़ा मिला है। शव से सिर गायब था उसके पास मौजूद आधार कार्ड, पैनकार्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच करने पर उसकी पहचान अखिलेश सैनी के रूप में हुई है। इस पर पुलिस अधिकारियों ने गंजबासौदा पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी की हत्या कर फरार हो गया था उसकी तलाश की जा रही थी। साथ ही वहां की पुलिस ने भोपाल में रह रहे पिता को भी इसकी जानकारी दी।
- **परिजन मौके पर पहुंचे** - इस पर परिजन गंजबासौदा पहुंचे और मृतक के कपड़ों और दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान अखिलेश सैनी के रूप में की। अब वहां मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है।
- **प्लेटफार्म पर नजर आया अखिलेश** - गंजबासौदा पुलिस ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो वहां प्लेटफार्म पर अखिलेश बैठा हुआ नजर आया। वह काफी गुमसुम नजर आ रहा था और फिर धीरे धीरे कर वह पटरियों के किनारे चलने लगा और बाद में उसका धड़ रेलवे ट्रैक पर मिला।
- **काफी परेशान दिख रहा था** - पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में अखिलेश जब प्लेटफार्म पर बैठा था तो वह काफी परेशान नजर आ रहा था। उसने पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदले लेकिन उसे लगा कि अब वह इयादा समय तक बच नहीं पाएगा तो उसने यह कदम उठा लिया। इधर जब डीसीपी अभिषेक रंजन ने सवाल किया गया कि फरारी के दौरान क्या अखिलेश सैनी भोपाल में रहने वाले अपने पिता के संपर्क में था क्या तो उनका कहना है कि हो सकता है लेकिन पिता ने अभी इंकार किया है। वहां की पुलिस आगे की पृष्ठताह करेगी।

पांच दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे पनामा के विदेश मंत्री नई दिल्ली। पनामा के विदेश मंत्री हावियेर एडुआर्डो मार्टिनेज़-आचा वास्केज़ पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और पनामा के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना तथा व्यापार, निवेश, समुद्री सहयोग और अन्य क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति देना है। यात्रा के दौरान पनामा के विदेश मंत्री भारतीय विदेश मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें करेंगे।

दिल्ली में हाई अलर्ट

संसद के मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। मानसून सत्र के पहले दिन अपनी मांगों को लेकर काँकरोच जनता पार्टी संसद तक मार्च निकालेगी। वहीं मार्च से दो दिन पहले पिछले 20 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराया है। इससे प्रदर्शन कर रहे लोगों का गुस्सा चरम पर है। संसद का मानसून सत्र और काँकरोच जनता पार्टी का चलो संसद' मार्च देखते हुए दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है।

30 साल बाद घर लौटेगा पर्वतारोही जवान का शव

● माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे ● 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर, डीएनए से पुष्टि

लेह (एजेंसी)। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल



अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था। दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33 फीसदी ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलीकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं-उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

अखबार ने दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

प्रशासन की लापरवाही भारी पड़ सकती है! कंक्रीट पाल (रिटेंनिंग वॉल) बनी, मुरम भरना भूला विभाग! बड़ोदिया के खमालिया फाटे पर हर पल हादसे का खतरा

प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी सड़क पर कंक्रीट पाल तो बन गई, लेकिन मुरम नहीं डाले जाने से स्कूल वाहनों सहित हजारों राहगीरों की जान जोखिम में।

दिलीप पाटीदार



सरदारपुर। सरदारपुर तहसील के अन्तर्गत बड़ोदिया क्षेत्र में बनी प्रधानमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़क पर बड़ोदिया के खमालिया फाटे के समीप प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। सड़क किनारे सुरक्षा के उद्देश्य से बनाई गई कंक्रीट पाल (रिटेंनिंग वॉल) का निर्माण हुए करीब सात से आठ महीने बीत चुके हैं,

लेकिन पाल के साथ खोदी गई खाली जगह में आज तक मुरम भराई नहीं की गई। परिणामस्वरूप सड़क का किनारा कमजोर और खतरनाक बना हुआ है, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका

बनी रहती है। बरसात के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाएगी ऐसे में यदि किसी वाहन का पहिया सड़क से थोड़ा भी नीचे उतर जाए तो वाहन अनियंत्रित होकर पलट सकता है या

गहरी जगह में जा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग ने अब तक इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस रास्ते से प्रतिदिन स्कूल बसें, किसानों के ट्रैक्टर-ट्रॉली, दोपहिया और चारपहिया वाहन सहित हजारों लोग आवागमन करते हैं। सबसे अधिक चिंता स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर है, क्योंकि बच्चों से भरे वाहन प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं। इसके बावजूद विभाग द्वारा अधूरा निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया जाना लोगों में आक्रोश का विषय बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया गया, लेकिन केवल आश्वासन

ही मिले। यदि समय रहते सड़क किनारे मुरम डालकर समतलीकरण नहीं कराया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ऐसी स्थिति में जनहानि होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी की होगी। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल मुरम भराई कर अधूरा कार्य पूरा कराया जाए। साथ ही निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही की जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो और आम नागरिक सुरक्षित आवागमन कर सकें।

वीणा म्यूजिकल ग्रुप और स्टार फेन क्लब का संगीतमय आयोजन “सलामत रहे दोस्ताना हमारा ...”

वीणा म्यूजिकल ग्रुप और स्टार फेन क्लब किशोर कुमार के जन्मदिवस के पूर्व मेलोडियस संगीत कार्यक्रम “सलामत रहे दोस्ताना हमारा...” का आयोजन 2 अगस्त, रविवार शाम 7 बजे संतोष सभागृह में करने जा रहा है, आयोजक प्रकाश गुप्ता और हेमंत अग्रवाल ने बताया कि इंदौर के मूर्धन्य गायक वाइस ऑफ किशोर राजेश शर्मा, वॉइस ऑफ रफी नासिर खान, जयमाला लाड, सपना जोशी, प्रकाश गुप्ता मेलोडियस किशोर, रफी, मुकेश, लता, आशा के सदाबहार नगमे सुनाएंगे, संगीत संयोजन इंटरनेशनल रिदम बैंड के राजेश मिश्रा गुड्डू का है, 7 सदस्यीय लाइव बैंड सदाबहार गीतों में मधुर संगीत देगा, मंच संचालन कैफियत के बॉलीवुड एंकर श्री सतीश पांडे करेंगे, पूर्व में भी वीणा म्यूजिकल ग्रुप हमेशा मेलोडियस हाल शो करते आ रहा है, इस बार खास आवाज किशोर कुमार की राजेश शर्मा, रफी साहब की आवाफ नासिर खान को लेकर सुंदर नगमों की फेहरिस्त बनाई है, मुकेश के भी युगल मधुर नगमे प्रस्तुत किए जायेंगे, इस महफिल में



सदाबहार नगमे सुनने को मिलेंगे, राजेश शर्मा, नासिर खान के देश भर में बड़े बड़े स्टेज शो होते रहते हैं, इनको महफिल का श्रोताओं को इंतजार रहता है, युगल गीतों में जानी मानी मधुर आवाज जयमाला साथ है, ये जुलाई अगस्त माह रफी किशोर मुकेश के नाम रहता है अनेकों हाल शो होंगे पर वीणा म्यूजिकल और स्टार फेन क्लब का यह मेलोडियस शो एक यादगार शो होने जा रहा है, इसकी जोर शोर से तैयारियां शुरू हो चुकी है शानदार 30 नगमे की रिहर्सल कलाकार कर रहे हैं, आयोजन सभी के लिए है !!

थाना राजगढ़ में “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन, युवाओं को नशामुक्त जीवन का दिया संदेश

राजगढ़। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान के अंतर्गत थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा मेला मैदान एवं बस स्टैंड राजगढ़ में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल बेलापुरकर के मार्गदर्शन में, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सरदारपुर श्री विश्वदीप सिंह परिहार तथा थाना प्रभारी राजगढ़ श्री समीर पाटीदार की उपस्थिति में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था। नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय, संवादों और प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को

गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसके साथ ही यह परिवार की खुशियों, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नाटक में यह संदेश भी दिया गया कि नशे की लत युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को अंधकारमय बना सकती है तथा अनेक सामाजिक बुराइयों और अपराधों का कारण बनती है। कलाकारों ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर राजगढ़ पुलिस ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि “नशे से दूरी है जरूरी 2.0” अभियान का उद्देश्य केवल अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समाज में व्यापक जनजागरूकता पैदा करना भी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशा मुक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

समान नागरिक संहिता (UCC) को मंत्री परिषद की बैठक में स्वीकृति

मध्यप्रदेश के इतिहास का ऐतिहासिक दिन सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के भाव से मध्यप्रदेश को गढ़ने का काम कर रही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार - सुमित मिश्रा भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर के सपनों को साकार कर रही मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार - विधेयक को मंजूरी मिलने पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया

इंदौर। आज मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नेतृत्व वाली मंत्रीपरिषद की जगदीशपुर में हुई बैठक में समान नागरिक

संहिता (UCC)-2026 विधेयक को मंजूरी मिलने पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए इसे मध्यप्रदेश के इतिहास का सबसे ऐतिहासिक दिन बतलाया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास और सुशासन के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मंत्री परिषद की बैठक में समान नागरिक संहिता (UCC) की स्वीकृति वास्तव में मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार के सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। महिलाओं के सशक्तिकरण में यह विधेयक

महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही सभी नागरिकों को एक समान अधिकार प्राप्त होंगे श्री मिश्रा ने कहा समान नागरिक संहिता भारतीय संस्कृति के मूलमंत्र ‘सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय’ के भाव पर आधारित एक उत्कृष्ट पहल है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार, समान अवसर और समान न्याय प्रदान करना है।”

उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब अम्बेडकर द्वारा संविधान में समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया था, मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व वाली सरकार संविधान की मूल भावना के अनुरूप समरसता, महिला

सशक्तिकरण और सुशासन की नींव को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल करते हुए बाबा साहब अम्बेडकर के सपनों को साकार करने का काम कर रही हैं।

इस विधेयक से प्रदेश के नागरिकों में समानता का बोध होगा, विधेयक में सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की मूलमंत्र को साकार करते हुए अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को समान न्याय मिले, इसकी चिंता की गयी है। इस ऐतिहासिक निर्णय पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

बारिश की खेच से सोयाबीन फसल प्रभावित होने की आशंका

देपालपुर-पिछले दस दिन से बारिश न होने से सोयाबीन की फसल प्रभावित होने की आशंका व्यवसाय की जा रही है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है और वे परेशान हैं।

देपालपुर क्षेत्र में किसानों ने समय पर सोयाबीन की बोवनी कर दी थी। बारिश के बाद नमी को देखते हुए किसानों ने खेतों में चारा मार दवा का भी छिड़काव कर दिया था, लेकिन पिछले दस से बारह दिनों से बारिश न होने से खेतों की नमी कम हो गई, जिससे दवा बेअसर हो गई और किसानों का नुकसान हुआ। फसल के साथ घास भी खेतों में उगने लगी है, वहीं नमी न होने के कारण सोयाबीन की फसल अब



खेतों में दम तोड़ती नजर आने लगी है। बारिश की खेच से किसान परेशान हैं। किसानों का कहना है कि अब सोयाबीन की फसल को बारिश की जरूरत है। यही हाल रहा तो सोयाबीन की फसल सूखने लगेगी।

किसान अच्छी बारिश के लिए टोने-टोटके कर रहे हैं

मंदिरों में पूजा-अर्चना की जा रही है। वहीं नगर देपालपुर में आज बाग रसोई का आयोजन किया गया है जिसमें सभी अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर इंद्र देवता को मनाने के लिए घर से बाहर भोजन बना कर इंद्र देव को भोग लगाएंगे ताकि अच्छी बारिश हो . .

श्री चौबीस अवतार मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

देपालपुर -- विश्व प्रसिद्ध श्री चौबीस अवतार मंदिर में प्रति वर्ष की तरह इस साल भी गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनायी जायेगी। जिसकी तैयारी पूरी जोरों से चल रही है।

मंदिर ट्रस्ट के सचिव चिंटू वर्मा ने बताया कि अन्य वर्षों की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्था द्वारा गुरुपूजा महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसमें सुबह सात बजे से आठ बजे तक परम पूज्य गुरुदेव 1008 ब्रह्मलीन जयकरण दास जी महाराज की पादुका का वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया जायेगा। उसके बाद वेदमंत्र, भजन संकीर्तन, सत्संग व भंडारे का आयोजन किया जायेगा। गुरुपूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर गुरु मंदिर व श्री चौबीस अवतार मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर विशाल पंडाल का निर्माण कराया गया है तथा जगह जगह तोरण द्वारा बनाया गया है। श्रद्धालुओं को ठहरने व भोजन की व्यवस्था की गयी है.. उल्लेखनीय है कि गुरु पूर्णिमा पर कई प्रदेशों से गुरु भक्त चौबीस अवतार मंदिर बड़ी



संख्या में पहुंचते हैं.. श्री चौबीस अवतार मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित राजेश शास्त्री ने बताया की गुरुपूजा प्रेम भाव की ऐसी बारिश है। जिसमें गुरु व शिष्य दोनों भीगते हैं. उन्होंने कहा कि शताब्दी पूर्व आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महर्षि वेद व्यास का अवतरण हुआ था. उनके शिष्यों ने इसी अवतरण दिवस को व्यास पूर्णिमा का नाम दिया. गुरु महिमा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि गुरुपूजा श्रद्धा, भाव व विश्वास का पर्व है।

मन वचन से गुरु आज्ञा का पालन करने को गुरुपूजा कहते हैं. इस दिन सतगुरु अपने कृपा की वर्षा शिष्य वर्ग पर करते हैं और भक्त उसका रसपान कर आनंद विभोर हो जाता है. उन्होंने कहा कि गुरु का प्रेम अदृश्य होता है, गुरु किसको क्या क्या दे जाते हैं शिष्यों को पता तक नहीं चलता है. इसी प्रकार चटवाडा स्थित हनुमान मंदिर पर संत रघु नंदन दास जी महाराज के सानिध्य में, ग्राम कटकोदा में श्री भगवान दास जी महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन होगा...।

IIST इंदौर में 24 घंटे का 'अप्रतिम सृजन कुंभ 2026' हैकाथॉन संपन्न

राजेश धाकड़ - इंदौर, इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (IIST) में आयोजित 24 घंटे के वार्षिक इंटरनल हैकाथॉन "अप्रतिम सृजन कुंभ 2026" में 800 से अधिक विद्यार्थियों की 130 टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने एग्रीटेक, स्पेस टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, डिजास्टर मैनेजमेंट, साइबर सेफ्टी और क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट जैसे विषयों पर तकनीकी समाधान प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन Oracle, Microsoft, TCS, Impetus, InfoBeans और Lirisoft सहित विभिन्न कंपनियों के 12 विशेषज्ञ जूरी सदस्यों ने किया। विजेता टीमों के लिए 62 हजार की पुरस्कार राशि निर्धारित की गई। IIST ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के ग्रुप एडवाइजर अरुण एस. भटनागर ने कहा कि यह हैकाथॉन विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की नवाचार प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ AI, इंडस्ट्री 5.0 और इंटेलेजेंट ऑटोमेशन जैसी उभरती तकनीकों के अनुरूप भविष्य के इंजीनियर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

समझौते से मिला न्याय, पक्षकारों का बढ़ा विश्वास

विशेष लोक अदालत में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान एवं मजिस्ट्रेट रिजवाना कौसर की खंडपीठों ने तीन चेक बाउंस मामलों का कराया सफल राजीनामा

देपालपुर - मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इंदौर के अध्यक्ष प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश माननीय अजय श्रीवास्तव के निर्देशन में व्यवहार न्यायालय देपालपुर में चेक बाउंस प्रकरणों के त्वरित, प्रभावी एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के उद्देश्य से आयोजित विशेष लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत हेतु गठित दो खंडपीठों ने पक्षकारों को समझाइश एवं मध्यस्थता के माध्यम से समझौते के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप तीन चेक बाउंस प्रकरणों का आपसी राजीनामे के आधार पर सफल निराकरण हुआ तथा छह लाख अस्सी हजार आठ सौ पैंतीस रुपये की वसूली राशि का अवार्ड पारित किया गया। विशेष लोक अदालत की प्रथम खंडपीठ के पीठासीन अधिकारी जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान तथा द्वितीय खंडपीठ की पीठासीन अधिकारी वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती रिजवाना कौसर रहीं। दोनों खंडपीठों ने धैर्यपूर्वक पक्षकारों की बातें सुनते हुए उन्हें आपसी समझौते के लाभ बताए, जिससे वर्षों से लंबित विवाद सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाप्त हो सके।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं तहसील विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्री हिदायत उल्ला खान ने कहा कि लोक अदालत न्याय को सरल, सुलभ, त्वरित एवं मानवीय स्वरूप प्रदान करने का अत्यंत प्रभावी माध्यम है। विशेष रूप से चेक बाउंस जैसे आर्थिक विवादों में आपसी सहमति से समाधान होने पर समय, धन एवं ऊर्जा की बचत होती है और दोनों पक्ष सम्मानपूर्वक विवाद से मुक्त होकर नए विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायालय का उद्देश्य केवल निर्णय देना ही नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सद्भाव,

सौहार्द और न्याय के प्रति आस्था को सुदृढ़ करना भी है। सीनियर सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती रिजवाना कौसर ने कहा कि राजीनामे के माध्यम से विवादों का समाधान न्याय व्यवस्था की सबसे सकारात्मक उपलब्धियों में से एक है। इससे पक्षकारों के बीच आपसी विश्वास कायम रहता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी समाप्त होती है तथा न्याय शीघ्र, सुलभ और प्रभावी रूप से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द और न्यायिक संवेदनशीलता को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण



मंच है।

इस अवसर पर खंडपीठों के सुलहकर्ता सदस्य अधिवक्ता जितेंद्र वर्मा एवं अधिवक्ता पीयूष बाथम, अधिवक्ता संघ की कोषाध्यक्ष रजनी पवार, न्यायालयीन कर्मचारी ज्ञानेश्वर इंग्ले, वीरेंद्र जाटव, तुलसीराम कुशवाहा, विकास राठौर, आशिक चौहान, आदिल खान, रामकृष्ण पाल एवं राकेश घोरसे उपस्थित रहे। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन पर पक्षकारों ने संतोष व्यक्त करते हुए न्यायालय के प्रयासों की सराहना की। न्यायिक परिवार ने भी अधिक से अधिक योग्य एवं पात्र प्रकरणों का लोक अदालत के माध्यम से निराकरण कर न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुलभ एवं जनहितकारी बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

सहजयोग : भ्रम के युग में सत्य का प्रकाश

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा वर्ष 1970 में स्थापित सहजयोग ध्यान आज विश्व के 180 से अधिक देशों में आत्मसाक्षात्कार, आंतरिक शांति और आध्यात्मिक जागरण का सशक्त माध्यम बन चुका है। सहजयोग एक जीवंत, वैज्ञानिक एवं अनुभव-आधारित ध्यान पद्धति है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के भीतर स्थित कुंडलिनी शक्ति का सहज जागरण होकर आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है।

यह आत्मसाक्षात्कार केवल एक आध्यात्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि चैतन्य की शीतल दिव्य अनुभूति के रूप में प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। नियमित सहजयोग ध्यान से व्यक्ति के मानसिक तनाव, भय, क्रोध और असंतुलन में कमी आती है तथा उसके व्यक्तित्व में प्रेम, करुणा, संतुलन, विवेक और



आत्मविश्वास का स्वाभाविक विकास होता है। आज विश्वभर में लाखों साधक सहजयोग के माध्यम से आध्यात्मिक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कर रहे हैं।

श्री माताजी अपनी अमृतवाणी में स्पष्ट करती हैं कि वर्तमान कलियुग केवल भ्रम और संघर्ष का युग नहीं, बल्कि सत्य की खोज और आत्मसाक्षात्कार का सर्वश्रेष्ठ अवसर है। वे कहती हैं कि जब मनुष्य संसार के असत्य, असंतोष और भ्रम को

पहचान लेता है, तभी उसके भीतर सत्य को जानने की वास्तविक जिज्ञासा जागृत होती है और वहीं से उसकी आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ होती है। श्री माताजी 'दमयंती पुराण' का उल्लेख करते हुए बताती हैं कि कलियुग का वास्तविक महत्व इसी में है कि भ्रम के अनुभव के पश्चात मनुष्य सत्य की ओर अग्रसर होगा और अंततः आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करेगा।

कलि स्वयं राजा नल से कहता है कि उसके समय में लोग भ्रमित अवश्य होंगे, किंतु उसी भ्रम से जागृत होकर वे सत्य की खोज करेंगे और दिव्य ज्ञान को प्राप्त करेंगे। हजारों वर्ष पूर्व कही गई यह भविष्यवाणी आज सहजयोग के माध्यम से साकार होती दिखाई देती है, जहाँ विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और देशों के लोग बिना किसी बाहरी परिवर्तन के अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना का

अनुभव कर रहे हैं। सहजयोग का संदेश है कि आध्यात्मिक उत्थान के लिए संसार का त्याग आवश्यक नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किया जा सकता है। यह किसी धर्म, संप्रदाय या मत-विशेष तक सीमित नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है, जो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर विद्यमान दिव्य शक्ति को जागृत कर उसे स्वयं के वास्तविक स्वरूप से परिचित कराती है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है और इसका उद्देश्य मानव जीवन में शांति, संतुलन, नैतिकता तथा विश्वबंधुत्व की स्थापना करना है। निकटतम सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

यूसीसी बिल : मध्यप्रदेश में अब सिर्फ एक शादी... लिव-इन के लिए भी रजिस्ट्रेशन जरूरी

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने आज जगदीशपुर में कैबिनेट बैठक लेकर कई ऐतिहासिक फैसले लिए। सरकार ने आज यूसीसी बिल को मंजूरी दे दी है और अब इसे विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा।

हलाला पर रोक- तलाक के बाद दोबारा शादी के नाम पर हलाला जैसी प्रथा को दंडनीय अपराध माना गया है।

लिव-इन के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य-लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए साथ रहने की शुरुआत के एक महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास लिव-इन रिलेशनशिप का बयान जमा करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। पार्टनर्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। वे प्रतिबंधित श्रेणी में न हों, पहले से विवाहित न हों और उनकी सहमति स्वतंत्र होनी चाहिए। यदि कोई पार्टनर 21

10,000 जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर 3 महीने की जेल और 25,000 जुर्माना तथा रजिस्ट्रार के नोटिस के बाद भी बयान न देने पर 6 महीने तक की जेल और 25,000 का जुर्माना हो सकता है।

मोहन बोले - राम-रहीम के होंगे एक अधिकार-इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने संकल्प लिया है कि ऐसा कानून लागू किया जाए, जिसमें राम, रहीम, रवींद्र और रॉबिन सभी को समान अधिकार और समान न्याय मिले।

एक ही शादी को मंजूरी-यह कानून सभी समुदायों में केवल एक ही शादी को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। शादी की उम्र कोई बदलाव नहीं विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है।

तीन तलाक बोलकर तलाक नहीं-अब मौखिक तलाक और अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधार पर ही होगा।

गर्भावस्था के आधार पर सामान अधिकार-अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति

ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।

शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य-एमपी के निवासियों के लिए शादी और तलाक दोनों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। शहरी क्षेत्रों में एमपी ई-नगर पालिका पोर्टल और ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम, नगरपालिका या पंचायत के जरिए यह प्रक्रिया पूरी होगी। रजिस्ट्रेशन न होने पर शादी अमान्य नहीं होगी लेकिन रजिस्ट्रार द्वारा बिना ठोस लिखित कारण के आवेदन खारिज करने पर जुर्माना होगा।

“वर्दी से जागी नई उम्मीद” के तहत इंदौर पुलिस ने किया नशे की गिरफ्त में आए युवाओं से संवाद



नशे से दूरी है जरूरी अभियान से जुड़कर, 45 युवाओं ने लिया नशा छोड़ने का संकल्प।

इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाये जा रहे नशे से दूरी अभियान के तहत दिनांक 18.07.2026 को नशे के आदी व्यक्तियों एवं परिवार वालों को नशा मुक्ति पुनर्वास केन्द्रों की जानकारी व सुझाव देने के साथ ही शपथ दिलवाने सामाजिक न्याय विभाग के सहयोग से नशे से लिप्त व्यक्तियों को परामर्श एवं चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करवाने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में नगरीय पुलिस इंदौर के जोन-3 द्वारा विगत वर्ष से नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष

अभियान “वर्दी से जागी नई उम्मीद” के तहत आज एक महत्वपूर्ण काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया। इस अभिनव पहल में नशे से दूरी है जरूरी अभियान से जुड़कर क्षेत्र के 45 नशे से पीड़ित बालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भविष्य में नशे से दूर रहने का दृढ़ संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य पहलू:- कार्यक्रम की अध्यक्षता अति. पुलिस उपायुक्त (जोन-3) श्री ओमप्रकाश ने की। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज श्रीमती नीति राजेश दण्डोटिया एवं थाना प्रभारी संयोगितागंज श्री के. पी. सिंह यादव, थाना प्रभारी पलासिया श्री सुरेन्द्र रघुवंशी, आई सी छोटीगवालटोली अनिल सत्यजीत सिंह चौहान सहित काउंसलिंग समिति के सदस्य उपस्थित रहे।



साल से कम उम्र का है, तो लिव-इन के शुरू होने और खत्म होने की जानकारी उनके माता-पिता-अभिभावकों को भेजी जाएगी। रजिस्ट्रार यह रिकॉर्ड स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी भेजेगा।

लिव-इन से पैदा हुए बच्चे भी वैध माने जाएंगे-लिव-इन से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पूर्ण उत्तराधिकार मिलेगा। यदि पुरुष पार्टनर महिला को छोड़ देता है, तो वह सक्षम अदालत के माध्यम से कानूनी पत्नी की तरह ही भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) का दावा कर सकती है। बिना रजिस्ट्रेशन एक महीने से ज्यादा साथ रहने पर 3 महीने तक की जेल या

किसान दिवस पर बैंक ऑफ इंडिया ने वितरित किए लगभग 35 करोड़ रुपए के कृषि ऋण

कृषि वित्त, आधुनिक खेती और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

धार बैंक ऑफ इंडिया, धार आंचल द्वारा किसान हित, ग्रामीण विकास एवं कृषि समृद्धि को समर्पित किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार तथा मध्यप्रदेश शासन की सहायक संचालक (कृषि) श्रीमती संगीत तोमर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर आंचलिक प्रबंधक श्री अखिलेश कुमार, उप-आंचलिक प्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन, श्री देवानंद गुप्ता, जिला अग्रणी प्रबंधक श्री बलराम बैरागी सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान



उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आंचलिक प्रबंधक श्री अखिलेश कुमार द्वारा महाप्रबंधक का स्वागत कर किया गया। उन्होंने धार आंचल द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि बैंक किसानों को पॉलीहाउस, उन्नत सोयाबीन खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा विभिन्न

कृषि ऋण योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बैंक की पूरी टीम किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए इसी समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी। महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने अपने संबोधन में

किसानों से संवाद करते हुए कृषि क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों एवं संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि बैंक किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों के सुझाव भी सुने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप बैंकिंग सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि वाहन ऋण, पॉलीहाउस ऋण सहित विभिन्न कृषि एवं कृषि-संबद्ध योजनाओं के अंतर्गत लगभग 35 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया गया।

ऋण प्राप्त करने वाले किसानों ने बैंक की योजनाओं से मिल रहे लाभों

के अनुभव साझा किए। महाप्रबंधक ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा बैंकिंग सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के उपरांत महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार ने बैंक के बीसी (बिजनेस कॉरस्पॉन्डेंट) प्वाइंट का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाने के प्रयासों की सराहना करते हुए वित्तीय समावेशन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। अंत में उप-आंचलिक प्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया भविष्य में भी किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण, आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा।

क्राइम ब्रांच में सब-इंस्पेक्टर पद पर MP में प्रथम रैंक हासिल कर आकाश जैन ने रचा इतिहास, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर

अतुल जैन

खनियाधाना। क्षेत्र के लिए गर्व और सम्मान की खबर सामने आई है। देवखो निवासी एवं समाजसेवी अशोक जैन के सुपुत्र आकाश जैन का मध्य प्रदेश पुलिस की क्राइम ब्रांच में सब-इंस्पेक्टर पद पर मध्य प्रदेश में प्रथम रैंक के साथ चयन हुआ है। इस शानदार उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे खनियाधाना क्षेत्र, जैन समाज और शुभचिंतकों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। आकाश जैन की यह सफलता वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासित जीवन, निरंतर अध्ययन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम मानी जा रही है। सीमित संसाधनों के बीच भी उन्होंने अपने आत्मविश्वास और अथक परिश्रम के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास के सामने कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।



क्राइम ब्रांच जैसी महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण शाखा में प्रथम रैंक के साथ चयन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इस सफलता के साथ आकाश जैन ने न केवल अपने माता-पिता का सपना साकार किया, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम प्रदेशभर में गौरवान्वित किया है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के प्रति नया उत्साह देखने को मिल रहा है। चयन की सूचना मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों,

मित्रों, समाज के वरिष्ठजनों एवं क्षेत्रवासियों ने आकाश जैन के निवास पर पहुँचकर बधाई दी। दूर-दूर से फोन, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से शुभकामनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों ने भी आकाश जैन को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनेगी। युवाओं को उनसे सीख लेकर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर मेहनत करनी चाहिए। शुभचिंतकों ने विश्वास व्यक्त किया कि आकाश जैन मध्य प्रदेश पुलिस की क्राइम ब्रांच में अपनी जिम्मेदारियों

का पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करेंगे तथा कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर समस्त क्षेत्रवासियों, जैन समाज, मित्रों, रिश्तेदारों एवं शुभचिंतकों ने आकाश जैन एवं उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर सफलता की कामना की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आकाश जैन की यह उपलब्धि आने वाले वर्षों तक युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी और क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में याद की जाएगी।

जैन सोशल ग्रुप आइकॉन का 'बैक टू चाइल्डहुड' आयोजन, 90 के दशक के खेलों से ताजा हुई बचपन की यादें



सलीम हसैन

झाबुआ। जैन सोशल ग्रुप आइकॉन द्वारा निजी गार्डन में आयोजित 'बैक टू चाइल्डहुड' कार्यक्रम में सदस्यों ने 90 के दशक के लोकप्रिय खेलों के साथ अपने बचपन की सुनहरी यादों को फिर से जीवंत किया। पूरे आयोजन में उत्साह, उमंग और पारिवारिक माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सदस्यों द्वारा स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाने के साथ हुई। पारिवारिक माहौल में सभी ने एक-दूसरे के साथ भोजन का आनंद लिया। इसके पश्चात नवकार मंत्र के मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता के लिए तीन टीमों का गठन किया गया। मेलोडी मास्टर टीम के कप्तान नितेश-मोनिका कोठारी, रसना रॉकर्स के कप्तान रौनक-नेहा घोड़ावत तथा पॉपपिंस पिरैट्स के कप्तान अक्षय-आयुषी भंडारी रहे। कार्यक्रम में बचपन की यादों को ताजा करने वाले कई रोचक एवं मनोरंजक खेल आयोजित किए गए। तोल मोल के बोल' गेम का संचालन निक्की एवं पीयूष

जैन ने किया। चाइल्डहुड रिवाइंड गेम संचित एवं शैलू बाबेल ने कराया। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' गेम का संचालन अंकित एवं निधि रुनवाल ने किया, जबकि माय मिस्ट्री रूम गेम प्रयास एवं सुहानी बाबेल द्वारा संचालित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में भाग लिया।

रोमांचक मुकाबलों के बाद मेलोडी मास्टर टीम विजेता रही। विजेता टीम के सभी सदस्यों को गिफ्ट हैम्पर प्रदान कर सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम का प्रभावी संचालन शैलू बाबेल ने किया। स्कोरिंग का दायित्व श्रीमती चंचल पीतलियाँ एवं सोनाली जैन ने निभाया। आयोजन को सफल बनाने में गौरव जैन, विराट पीतलिया का विशेष योगदान रहा। एडवाइजरी टीम के नीरज गादिया, जय भंडारी एवं दिनेश रुनवाल ने अपने मार्गदर्शन से कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में सचिव अंकित एवं निधि रुनवाल ने आभार व्यक्त किया। ग्रुप अध्यक्ष संचित एवं शैलू बाबेल ने सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी स्नेह, एकता और पारिवारिक जुड़ाव को और अधिक मजबूत बनाते हैं।

महिला सशक्तिकरण की ओर एक मजबूत कदम!

11 सिलाई मशीन 6 ब्यूटी पालर किट किए प्रदान

झाबुआ विधानसभा के लोकप्रिय और जनप्रिय विधायक डॉ. विक्रान्त भूरिया की ओर से राणापुर क्षेत्र की हमारी माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक शानदार पहल की गई। विधायक निधि के अंतर्गत, राणापुर में महिलाओं को सिलाई मशीनें और ब्यूटी पालर किट्स वितरित की गईं। इस सौगात का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी और सशक्त करना है। इस पूरे कार्यक्रम का सफल आयोजन यशवी नितेश शाह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। उनके द्वारा किए गए सराहनीय प्रयासों और समर्पण के कारण ही यह कार्यक्रम महिलाओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी सिद्ध हुआ जब एक महिला आत्मनिर्भर होती है, तो पूरा परिवार और समाज प्रगति करता है।

छात्रावास के प्रभारी प्राचार्य एवं छह छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ी

कटनी। एनकेजे थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती शासकीय शिक्षा परिसर के छात्रावास में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक साथ छह छात्राओं और प्रभारी प्राचार्य की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी को सांस लेने में तकलीफ और पेट दर्द की शिकायत होने पर तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात से ही कुछ छात्राओं को हल्का पेट दर्द और बेचैनी महसूस हो रही थी। शुरुआत में मामला सामान्य समझा गया, लेकिन शनिवार दोपहर अचानक कई छात्राओं की हालत बिगड़ने लगी। सांस लेने में दिक्कत बढ़ने पर छात्रावास प्रशासन ने आनन-फानन में छह छात्राओं और प्रभारी प्राचार्य को जिला अस्पताल पहुंचाया।

जिला अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में छात्राओं ने बताया कि उन्हें शुक्रवार शाम से पेट दर्द की शिकायत थी, जो शनिवार को



गंभीर रूप ले गई। फिलहाल सभी का उपचार जारी है और उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है। घटना ने छात्रावास की व्यवस्थाओं पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या छात्राओं को परोसे गए भोजन में किसी प्रकार की गड़बड़ी थी? क्या भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की नियमित जांच होती है? यदि छात्राएं शुक्रवार रात से अस्वस्थ थीं, तो उन्हें तत्काल चिकित्सकीय सहायता क्यों नहीं मिली? इन सवालों के जवाब अब प्रशासन को देने होंगे।

यदि यह मामला भोजन की गुणवत्ता से जुड़ा है, तो यह केवल एक लापरवाही

नहीं बल्कि छात्राओं के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ माना जाएगा। वहीं यदि किसी अन्य कारण से छात्राओं की तबीयत बिगड़ी है, तो उसका भी समय रहते खुलासा होना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं। हालांकि अभी तक छात्राओं और प्रभारी प्राचार्य की तबीयत बिगड़ने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि इस घटना के पीछे भोजन, किसी अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारण या किसी और लापरवाही की भूमिका थी।

40 हजार की रिश्वत लेते बिजली विभाग का कनिष्ठ यंत्री लोकायुक्त के शिकंजे में

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (म.प्र.प.क्षे. वि.वि.क.लि.) के सुखलिया जोन में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री नमेश कुमार भोंडेकर को 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त के अनुसार शिकायतकर्ता शिवप्रकाश बसवाल, जो बिल्डर एवं होटल व्यवसायी हैं, ने 17 जुलाई 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि अम्बे नगर स्थित जी.आर.-7 होटल भवन पर सोलर पैनल लगाने की फाइल आगे बढ़ाने के एवज में कनिष्ठ यंत्री द्वारा 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत के सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश, उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के

नेतृत्व में ट्रेप कार्रवाई की गई। निरीक्षक सचिन पटेरिया के नेतृत्व में गठित टीम ने 18 जुलाई 2026 को आरोपी को शिकायतकर्ता से 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की



धारा 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो तत्काल लोकायुक्त कार्यालय, मोती बंगला, एम.जी. रोड, इंदौर अथवा दूरभाष 0731-2533160 एवं 0731-2430100 पर शिकायत करें।

दतिया उपचुनाव में दिखी लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर, मंच से बुलाकर जीतू पटवारी ने भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को लगाया गले



दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के माहौल में सौहार्द की एक तस्वीर चर्चा का विषय बन गई। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान वहां से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी का काफिला गुजरा। पटवारी ने उन्हें रुकने का आग्रह किया, जिसके बाद आशुतोष तिवारी मंच के पास पहुंचे और दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन करते हुए गले मिलकर संक्षिप्त बातचीत की। यह दृश्य उपस्थित लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी तेजी से चर्चा का विषय बन गया।

इससे पहले भी जीतू पटवारी की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य नेताओं के साथ ट्रेन में चाय पर चर्चा की तस्वीर सुर्खियां बटोर चुकी है। अब दतिया से सामने आई यह नई तस्वीर चुनावी माहौल में अलग संदेश दे रही है। राजनीतिक जानकार इसे लोकतांत्रिक मर्यादा और व्यक्तिगत संबंधों का उदाहरण मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे चुनावी रणनीति के नजरिए से भी देख रहे हैं। हालांकि दोनों दल अपने-अपने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत से जुटे हैं, लेकिन यह तस्वीर लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेदों के बीच आपसी सम्मान और संवाद की संस्कृति को भी रेखांकित करती है।

गुप्त नवरात्रि में माता रानी मंदिर पर शिखर कलश स्थापना एवं विशेष अनुष्ठान संपन्न



कनाड़िया, इंदौर। गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर सुभाष यादव द्वारा कनाड़िया स्थित माता रानी के प्राचीन मंदिर में विधि-विधान के साथ शिखर कलश स्थापना का शुभ आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंडित चेतन शर्मा, आचार्य प्रमोद शर्मा एवं एडवोकेट डॉ. शर्मा के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ हुआ।

पांच दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में मां काली की स्थापना, विशेष पूजन-अर्चन, हवन एवं शिखर कलश स्थापना सहित विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। वहीं गुप्त नवरात्रि के नौ दिनों तक मंदिर में प्रतिदिन पूजन, अर्चन, कुमकुम अर्चन, शक्ति पाठ, हवन एवं



विशेष साधना श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित की गई। यह संपूर्ण धार्मिक आयोजन लखन जाधव गुरुजी महाराज के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन में गुरुजी के अनेक भक्तगण एवं श्रद्धालु

उपस्थित रहे, जिनमें पीयूष, रोहित, मनीष, सुभाष यादव सहित बड़ी संख्या में अहीर समाज के सदस्यों ने सहभागिता निभाई और माता रानी की सेवा में अपना योगदान दिया।

धार्मिक वातावरण, वैदिक मंत्रोच्चार और भक्तों की आस्था के बीच संपन्न हुए इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की।

जाकिर हुसैन वार्ड में 1 करोड़ 33 लाख के विकास कार्यों का भव्य भूमिपूजन सम्पन्न, वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद रेखा संजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में विभिन्न विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

नवल किशोर

कटनी। वर्षों की जनअपेक्षाओं को साकार करते हुए नगर निगम कटनी द्वारा जाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 38 में लगभग 1 करोड़ 33 लाख की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रेखा संजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत भूमिपूजन कर विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों के शुभारंभ से क्षेत्र में सड़क, नाली, आंगनबाड़ी भवन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा तथा वर्षों से लंबित विकास कार्य अब धरातल पर आकार लेते दिखाई देंगे।

अधोसंरचना सहित विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ

भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत अधोसंरचना मद से लगभग 93.85 लाख की लागत से गौरीशंकर मंदिर के समीप सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा 13 लाख की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण, संजय नगर में 5.25 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण, संजय नगर मुक्तिधाम में 4.03 लाख की लागत से गेट एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, संजय नगर सामुदायिक भवन के पीछे 4.03 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण, सरस्वती स्कूल के समीप पानी की टंकी के पास 4.03 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा खंवरिया मोहल्ला में खूबसिंह के घर से नारायण खंवरिया एवं बंटू सोनी से आगे मथुरा



तिवारी तक 8.52 लाख की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

क्षेत्रवासियों को मिलेगी वर्षों पुरानी समस्याओं से राहत

इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को सड़क, नाली, जल निकासी, आवागमन एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने से विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

विकास की गति रहेगी निरंतर, जनहित रहेगा सर्वोपरि- महापौर श्रीमती सूरी

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम का संकल्प शहर के प्रत्येक वार्ड तक समान रूप से विकास पहुंचाना है। नागरिकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता

देते हुए अधोसंरचना, सड़क, नाली, आंगनबाड़ी एवं सामुदायिक सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा नगर के प्रत्येक वार्ड का समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जाएगा।

क्षेत्रीय पार्षद ने जताया आभार क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रेखा संजय तिवारी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने की दिशा में आज महत्वपूर्ण शुरुआत हुई है। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से वार्ड की तस्वीर बदलेगी और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने महापौर श्रीमती सूरी एवं नगर निगम प्रशासन का वार्ड के विकास के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता और हरियाली को जनआंदोलन बनाने का आह्वान



महापौर श्रीमती सूरी ने इस अवसर पर उपस्थित स्थानीय महिलाओं से स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ शहर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार घर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग कर नगर निगम की कचरा संग्रहण वाहनों को ही सौंपे, जिससे कचरे का वैज्ञानिक एवं बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। महापौर ने “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधरोपण करने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की भी अपील की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों को टॉफी वितरित कर स्वच्छता, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी।

नागरिकों ने किया आत्मीय स्वागत भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने विकास कार्यों के शुभारंभ

पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर, क्षेत्रीय पार्षद एवं नगर निगम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से वार्ड के विकास को नई दिशा मिलेगी तथा नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से स्थायी राहत मिलेगी।

इनकी रही मौजूदगी कार्यक्रम में मेयर-इन-काउंसिल सदस्य सर्व श्री डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेन्द्र गुप्ता, उमेश अहिरवार, पार्षद सुखदेव चौधरी, गोविंद चावला, सीमा श्रीवास्तव, शकुंतला सोनी, पूर्व पार्षद राजकुमार माखोजा, समाजसेवी संजय तिवारी, निलिमा झा, सहायक यंत्री सुनील सिंह, उपयंत्री संजय मिश्रा, राजललित गुमास्ता, स्थानीय नागरिकों में शैला भगत, कमल केवट, के.डी चौबे, मूलचंद गुप्ता, शंकरलाल तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

“कोई घर ना छूटे” शौचालय निर्माण के लिए “20 जुलाई से 31 जुलाई” तक चलेगा विशेष अभियान

जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने शौचालय विहीन पात्र परिवारों का चिन्हांकन करने दिए निर्देश

पीएम आवास योजना वाले पात्र हितग्राहियों को भी मिलेगी प्रोत्साहन राशि

कटनी। राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्रों में “कोई घर ना छूटे” शौचालय निर्माण के लिए 20 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शौचालय विहीन पात्र परिवारों का चिन्हांकन और शौचालय निर्माण में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रगति समय सीमा में कराए जाने के निर्देश दिए हैं। सुश्री कौर ने कहा है कि विशेष अभियान के दौरान अधिक से अधिक शौचालय विहीन पात्र परिवारों को प्रोत्साहन राशि भुगतान किए जाने की



कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)-फेज 2 का अंतिम वर्ष है। जिलों से प्राप्त कार्य योजना के अनुसार प्रदेश स्तर पर लगभग 2 लाख शौचालय विहीन अधिक से अधिक पात्र परिवारों को लाभान्वित कराए जाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला पंचायत सीईओ ने समस्त

जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को अभियान के दौरान दैनिक प्रगति की समीक्षा एवं लक्ष्य हासिल करने हेतु आवश्यक रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम आवास योजना वाले हितग्राही भी होंगे लाभान्वित-सुश्री कौर ने बताया कि अभियान के प्रारंभ में ग्राम सभाओं, स्वच्छाग्रहियों और ग्राम पंचायतों की सहायता से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रगति एवं वर्ष 2025-26 में स्वीकृत हितग्राहियों में से शौचालय विहीन परिवारों की पात्रता परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

आवेदन ऑनलाइन दर्ज कराए जाएंगे -राज्य स्वच्छ भारत मिशन के निर्देशों के अनुसार हितग्राहियों से ऑनलाइन आवेदन दर्ज कराए जाएंगे एवं पात्रता परीक्षण के उपरांत प्रोत्साहन राशि का भुगतान आदि की कार्यवाही होगी।

इंदौर पुलिस में थाना चंदन नगर का दबदबा बरकरार

इंदौर। इंदौर पुलिस द्वारा माह जून-2026 के नगरीय थानों के मासिक मूल्यांकन में थाना चंदन नगर ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार चौथी बार प्रथम स्थान प्राप्त कर नया इतिहास रच दिया है। शहर के 32 थानों के बीच हुए इस मूल्यांकन में थाना चंदन नगर ने सभी प्रमुख मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। इस सफलता का श्रेय थाना प्रभारी तिलक करोले के कुशल नेतृत्व, बेहतर टीमवर्क, अनुशासित कार्यशैली और पूरी पुलिस टीम की सतत मेहनत को दिया जा रहा है। मासिक मूल्यांकन में अपराध नियंत्रण, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, गंभीर अपराधों के त्वरित खुलासे, लंबित प्रकरणों का निराकरण, कानून-व्यवस्था बनाए रखना।

सहजयोग: आत्मसाक्षात्कार से धर्म की स्थापना का महायोग

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहजयोग ध्यान मनुष्य को बाह्य भौतिक आकर्षणों से ऊपर उठाकर उसके वास्तविक आत्मस्वरूप का साक्षात्कार कराने का सरल एवं सहज मार्ग प्रदान करता है। सामान्यतः हमारी पंच ज्ञानेन्द्रियाँ केवल बाहरी संसार का अनुभव कराती हैं, किंतु आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक अपने भीतर स्थित दिव्य चेतना, शांति और सौंदर्य का अनुभव करने लगता है। जब हमारी आदि शक्ति श्री कुंडलिनी जागृत होकर सहस्रार तक आरोहण करती है, तब हमारे भीतर धर्म का वास्तविक जागरण होता है। यह धर्म किसी मत, पंथ या बाहरी आडंबर का नाम नहीं, बल्कि आत्मा में स्थित होकर सत्य, प्रेम, करुणा, पवित्रता और विवेक



जैसे दिव्य गुणों का सहज प्रस्फुटन है। इन गुणों का आनंद प्रत्येक साधक को स्वयं अनुभव करना होता है; इन्हें किसी पर थोपा या साझा नहीं किया जा सकता।

श्री माताजी इस सत्य को अत्यंत सुंदर दृष्टांत द्वारा समझाती हैं। वे कहती हैं कि जैसे मोती स्वयं अपने सौंदर्य को नहीं देख सकता, सूर्य अपनी ज्योति को नहीं देख सकता और आकाश अपनी विशालता का अनुभव नहीं कर सकता, उसी प्रकार परमात्मा भी अपने सौंदर्य को देखने के लिए एक दर्पण चाहता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने इस संपूर्ण सृष्टि और अंततः मनुष्य की रचना की। किंतु मनुष्य अपने वास्तविक स्वरूप को न जानने के कारण भौतिकता, नशे, अतिवाद और अनेक

विकारों में उलझकर अपने अमूल्य जीवन का उद्देश्य भूल जाता है। श्री माताजी बताती हैं कि उन्होंने साधकों के लिए उस दिव्य दर्पण की खोज की है—वह है आत्मा का दर्पण। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात जब साधक अपना चित्त आत्मा में स्थिर करता है, तब उसे अपने भीतर का निर्मल एवं दिव्य प्रतिबिंब दिखाई देने लगता है। उसी क्षण कुविचार, कुसंस्कार और विनाशकारी प्रवृत्तियाँ सहज ही समाप्त होने लगती हैं और साधक आनंद, शांति तथा आत्मिक उत्कर्ष की अनवरत यात्रा पर अग्रसर हो जाता है। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रेमिका को महंगा मोबाइल दिलाने के लिए प्रेमी बना ट्रैक्टर चोर कुठला पुलिस ने 48 घंटे में किया चोरी का खुलासा, साढ़े चार लाख रुपये का ट्रैक्टर बरामद



कटनी। प्रेमिका के महंगे शौक पूरा करने के लिए प्रेमी बना ट्रैक्टर चोर। कुठला पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रैक्टर बरामद कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार, कैलवारा फाटक रामनगर निवासी नवनीत गुप्ता ने थाना कुठला में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पहरा कृषि यंत्र की दुकान के सामने खड़ा सोनालिका कंपनी का ट्रैक्टर क्रमांक एमपी-34-ए-1943, जिसमें हाइड्रा लगा हुआ था, 14 जुलाई की रात अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। ट्रैक्टर की कीमत करीब साढ़े चार लाख रुपये बताई गई है। शिकायत के आधार पर थाना कुठला में अपराध क्रमांक 604/26

के तहत मामला दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए तकनीकी साक्ष्यों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान पुलिस ने सतना जिले के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के समोघर निवासी प्रिंस सिंह सोमवंशी (20 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसकी प्रेमिका ने 50 हजार रुपये का महंगा मोबाइल फोन दिलाने की मांग की थी। इसी मांग को पूरा करने के लिए उसने ट्रैक्टर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मैहर स्थित सोनालिका एजेंसी के पास से चोरी गया ट्रैक्टर बरामद कर जब्त कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक अखलेश दाहिया के नेतृत्व में की गई। मामले के खुलासे में प्रधान आरक्षक रामाश्रय सिंह, अजय यादव, अजीत मिश्रा तथा आरक्षक विजय प्रजापति और मनोज सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्कूल की घंटी से मौत के सफर तक? करैरा-झांसी मार्ग पर दौड़ती बसों में जान जोखिम में डालने को मजबूर स्कूली बच्चे, सुरक्षा नियमों की खुली अनदेखी

हेमंत भार्गव

करैरा। शिक्षा का मंदिर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने का माध्यम माना जाता है, लेकिन करैरा-झांसी मार्ग पर चलने वाली कुछ निजी बसों का सफर कई स्कूली विद्यार्थियों के लिए रोजाना जोखिम भरी परीक्षा बनता जा रहा है। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों से करैरा नगर अध्ययन के लिए आने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय की छुट्टी के बाद घर लौटते समय बसों के गेट पर लटककर यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह दृश्य न केवल चिंताजनक है, बल्कि यात्री सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शिवपुरी-करैरा-झांसी मार्ग पर संचालित कुछ बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जा रही हैं। भीड़ इतनी अधिक होती है कि अनेक स्कूली बच्चों को बस के दरवाजे पर लटककर सफर करना पड़ता है। आश्चर्यजनक बात यह है कि ऐसे दृश्य कई बार संबंधित थानों और प्रशासनिक कार्यालयों के सामने से गुजरते हुए भी दिखाई देते हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आती। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ बसों का रंग-रोगन तक पूरी तरह उड़ चुका है और उनकी स्थिति जर्जर दिखाई देती है।

कई बसों की नंबर प्लेट भी स्पष्ट रूप से पढ़ने योग्य नहीं है, जिससे वाहन की पहचान करना भी कठिन हो जाता है। इसके बावजूद ये वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज गति से दौड़ते देखे जा सकते हैं। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई बसों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं का अभाव है। आपातकालीन स्थिति में उपयोग होने वाले फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर), आपातकालीन सुरक्षा उपकरण, वृद्धजनों एवं दिव्यांग यात्रियों के लिए सुरक्षित आरक्षित सीटों जैसी सुविधाएं कई बसों में उपलब्ध नहीं मिलीं। ऐसे में किसी दुर्घटना या आकस्मिक स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा गंभीर संकट में पड़ सकती है। परिवहन नियमों का उद्देश्य



केवल वाहनों का संचालन नहीं, बल्कि प्रत्येक यात्री की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना है। यदि नियमों का पालन नहीं होता और प्रशासन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं करता, तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

स्थानीय नागरिकों एवं अभिभावकों ने जिला प्रशासन और परिवहन विभाग से मांग की है कि करैरा-झांसी-शिवपुरी मार्ग पर संचालित बसों का विशेष अभियान चलाकर निरीक्षण किया जाए, सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराया जाए तथा क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि प्रतिदिन हजारों यात्रियों और स्कूली बच्चों का सफर सुरक्षित एवं मंगलमय बन सके।

न्यायोचित बात

“स्वयं गलत करना और सामने गलत होते देखकर भी मौन रहना—दोनों ही समाज और व्यवस्था के प्रति अपराध की श्रेणी में आते हैं। सुरक्षित यातायात केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।”